Sir, for giving me this opportunity. In one of my Zero Hour mentions, I spoke on the Look South Policy for my State, Meghalaya. The Look East or Act East Policy for Meghalaya is too far a distance, approximately 500 kilometres. South of Meghalaya is Bangladesh, and we have a common boundary of 400 kilometres. To facilitate this Look South Policy, I would request the Government to open up New Land Custom Station between India and Bangladesh. I, strongly, believe that the establishment of New Land Custom Station will significantly benefit both our State and also our country. The introduction of New Land Custom Station will provide substantial employment and will also greatly enhance the economic growth of my people in Meghalaya. This will also facilitate trade and strengthen economic ties between India and Bangladesh. It will contribute positively to the overall economic growth of not only my State but also our country, India. Sir, inspections and reports have already been done by the State of Meghalaya and also by the Customs Department of the Government of India. Hence, through you, Sir, I would like to request the Government to expedite the notification process for the New Land Custom Station in my State. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you Dr. Wanweiroy Kharlukhi. The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Wanweiroy Kharlukhi: Shri Madan Rathore (Rajasthan) Shri Samik Bhattacharya (West Bengal), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Demand to accelerate the work related to the construction of tunnel between Bangna and Dhaneta in Himachal Pradesh

डा. सिकंदर कुमार (हिमाचल प्रदेश): उपसभापति महोदय, आपने मुझे हिमाचल प्रदेश में नेशनल हाइवे के कार्य में तेजी लाने व बंगाणा से धनेटा के बीच टनल का निर्माण करने जैसे एक बहुत महत्वपूर्ण विषय को सभा में रखने का अवसर दिया है, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, एक पहाड़ी राज्य होने के नाते हिमाचल प्रदेश में सड़क निर्माण करने का कार्य किसी चुनौती से कम नहीं है। केंद्र सरकार का केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय जिस प्रकार से फोर लेन और हाइवे का निर्माण कर दूरियों को पाटने का काम कर रहा है, वह सराहनीय है। महोदय, हिमाचल प्रदेश में केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत व पोषित दो फोर लेन परवाणु-शिमला व मटौर-शिमला का कार्य प्रगति पर है। इन फोर लेन्स के बनने से जहाँ हिमाचल प्रदेश में पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा, वहीं लोगों के लिए भी प्रगति के द्वार खुलेंगे।

महोदय, मैं इस संबंध में हिमाचल प्रदेश में जनहित से जुड़ी दो बातों को आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। महोदय, नंबर वन बात तो यह है कि ऊना से हमीरपुर वाया बंगाणा, धनेटा, कांगू, हमीरपुर सड़क के मध्य बंगाणा से धनेटा के बीच टनल का निर्माण होने से ऊना से हमीरपुर के बीच की दूरी 15-20 किलोमीटर कम हो जाएगी। महोदय, इन स्थानों पर लोग दूर-दूर से बाबा बालकनाथ मंदिर, हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध शक्ति पीठ माता ज्वाला जी मंदिर व बाबा बालकरूपी के दर्शनों के लिए आते हैं। इस टनल के निर्माण से श्रद्धालु व आम जनमानस कम समय में बेहतर यात्रा सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

महोदय, दूसरी बात यह है कि वर्तमान समय में केंद्र द्वारा पोषित मटौर (धर्मशाला)-शिमला और परवाणु से शिमला से फोर लेन का कार्य प्रगति पर है। इन फोर लेन के बनने से धर्मशाला-शिमला व परवाणु-शिमला की दूरी तो कम होगी ही, इसके साथ ही पर्यटन कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा। मैं आपके माध्यम से केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय से आग्रह करना चाहता हूं कि इस फोर लेन्स के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और इससे संबंधित अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए जाएं, ताकि इन फोर लेन्स का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण हो तथा बंगाणा से धनेटा के बीच टनल का निर्माण भी शीघ्रताशीघ्र किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you, Dr. Sikandar Kumar. The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Sikandar Kumar: Shri Brij Lal (Uttar Pradesh), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar, (Madhya Pradesh), Shri Amar Pal Maurya (Uttar Pradesh), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Anil Sukhdeorao Bonde (Maharashtra), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Ms. Indu Bala Goswami, (Himachal Pradesh), Dr. Bhagwat Karad, (Maharashtra), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shri Devendra Pratap Singh (Chhattisgarh), Dr. Laxmikant Bajpayee (Uttar Pradesh), Shri Sanjay Seth, (Uttar Pradesh), Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra) and Shri Niranjan Bishi (Odisha).

Demand for intervention of Central Government to resolve the problems faced by farmers of Madhya Pradesh in selling Moong crop

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, मध्य प्रदेश में मूँग का उत्पादन पिछले पाँच वर्ष में तेजी से बढ़ा है। सरकार किसानों द्वारा पैदा किए जाने वाले मूँग के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी ई-उपाजन पोर्टल पर पंजन के माध्यम से करती है। इस साल मध्य प्रदेश में मूँग की फसल खरीदने के लिए जो पंजन किसानों द्वारा किए गए थे, उनके लिए स्लॉट बुकिंग जून के अंतिम सप्ताह से प्रारंभ करके, अंतिम तिथि 31 जुलाई तक रखी गई थी। विगत वर्ष, किसानों से प्रति हेक्टेयर दस क्विंटल की खरीदी सरकार द्वारा की गई थी, जिसे इस साल प्रति हेक्टेयर आठ क्विंटल कर दिया